एक नजर में

ईंधन बचत के संदेश को आत्मसात कर कलेक्टर अधिकारियों संग बस से खातीखेड़ा रवाना

नीमच। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं मान. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के ईंधन बचत के संदेश को आत्मसात करते हुए कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा आज जिलाधिकारियों के साथ यात्री बस से नीमच से ग्राम खातीखेड़ा में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर के लिए रवाना हुए। सामूहिक प्रस्थान से दी मिसाल: कलेक्टर श्री चंद्रा के साथ जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्री बी.एस. कलेश, जिला वनमंडलाधिकारी एस.के. अटोदे सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी एक ही यात्री बस से कलेक्ट्रेट परिसर से सुदूर ग्राम खातीखेड़ा के लिए रवाना हुए। प्रशासन ने शासकीय एवं निजी वाहनों के उपयोग के स्थान पर सामूहिक परिवहन को प्राथमिकता देकर ईंधन बचत एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है शिविर में होगा त्वरित निराकरण: ग्राम खातीखेड़ा, तहसील जावद में आयोजित इस शिविर में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ग्रामीणों की समस्याओं को स्वयं सुनेंगे और उनका मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करेंगे। शिविर में राजस्व, पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य, पेंशन, राशन एवं अन्य विभागों से संबंधित शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाएगा। योजनाओं की जानकारी एवं आवेदन: शिविर में ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी देकर उनका लाभ लेने की प्रक्रिया भी बताई जाएगी। साथ ही पात्र हितग्राहियों से योजनाओं के लाभ हेतु आवेदन भी प्राप्त किए जाएंगे जिससे कि ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर योजनाओं का लाभ मिल सके।

जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के अभियान की तैयारियों की समीक्षा

नीमच। प्रदेश के मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय के वी.सी.कक्ष से वीडियों कांफ्रेसिंग के जरिये विश्व पर्यावरण दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मध्य 5 जून से 21 जून तक प्रदेश एवं जिलो में आयोजित होने वाले जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के अभियान की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर वृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजन एक पेड़ मॉ के नाम अभियान 3.0 के शुभारंभ, 8 जून से स्वच्छता अभियान, 12 से 18 जून तक त्रि-दिवसीय जनकल्याण शिविरों के आयोजन, 19 व 20 जून को प्राकृतिक खेती पर आधारित कार्यशालाओं के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की गई और आवश्यक निर्देश दिए गये। नीमच के एनआईसी कक्ष में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्री बी.एस.कलेश सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी मौजूद थे।

हड़ताल के दूसरे दिन सरकार के खिलाफ जताया आक्रोश

▸ **नीमच में संविदा स्वास्थ्यकर्मियों ने जलाए नोटिस, , अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं ठप**

नीमच। जिले में संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रही। हड़ताल के दौरान कर्मचारियों ने सरकार की ओर से जारी 'कारण बताओ नोटिस' जलाए। कर्मचारियों का कहना है कि सरकार नोटिस भेजकर डराने की कोशिश कर रही है, लेकिन ऐसी दमनकारी नीतियों से उनका आंदोलन नहीं रुकेगा।

शिवराज सिंह चौहान के वादे को पूरा करने की मांग–कर्मचारी संघ के नेताओं ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने साल 2023 में संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों को परमानेंट करने, 100% सैलरी देने और 'समान काम, समान वेतन' की नीति बनाने का वादा किया था। लंबा समय बीत जाने के बाद भी सरकार ने इस पर कोई ठोस फैसला नहीं लिया। इसी वादाखिलाफी के खिलाफ कर्मचारियों को मजबूर होकर हड़ताल पर जाना पड़ा है।

नीमच सहित पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं ठप–संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश पदाधिकारी अनिल कुमार डूंगरवाल ने बताया कि 2 जून से पूरे मध्य प्रदेश के करीब 32 हजार संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी हड़ताल पर हैं। नीमच जिले में भी स्टाफ नर्स, एएनएम, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन और डाटा एंट्री ऑपरेटरों ने काम पूरी तरह बंद कर दिया है।

इससे सरकारी अस्पतालों, प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों का इलाज और टीकाकरण जैसी जरूरी सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं।

बीएमओ के निधन पर जताया शोक–हड़ताल के दूसरे दिन प्रदर्शन शुरू करने से पहले कर्मचारियों ने जावद ब्लॉक के ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर के आकस्मिक निधन पर दुख जताया। वे लंबे समय से बीमार थे और बुधवार सुबह उनका देहांत हो गया था। सभी कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी, जिसके बाद ही अपना विरोध प्रदर्शन शुरू किया।

लिखित आश्वासन मिलने तक जारी रहेगी हड़ताल–अनिल डूंगरवाल के मुताबिक प्रदेश स्तर पर बड़े अधिकारियों के साथ शुरुआती बातचीत तो हुई है, लेकिन सरकार की तरफ से अब तक कोई ठोस लिखित आश्वासन नहीं मिला है। कर्मचारियों ने साफ कर दिया है कि जब तक परमानेंट करने की उनकी मांगें पूरी नहीं की जातीं, तब तक वे काम पर वापस नहीं लौटेंगे।

पिपलियारुंडी में अपने ही खेत में किसान ने खाया जहर

▸ **तबीयत बिगड़ी तो किया परिजन को फोन, अस्पताल में तोड़ा दम**

नीमच। जिले के मनासा थाना क्षेत्र के पिपलिया रुंडी गांव में बुधवार को एक 35 वर्षीय युवक की मौत हो गई। युवक ने अज्ञात कारणों से जहरीले पदार्थ का सेवन किया था, जिसके बाद उपचार के दौरान जिला चिकित्सालय में उसकी मृत्यु हो गई।

जानकारी के अनुसार, पिपलिया रुंडी निवासी देवी सिंह (35), पिता मोहन सिंह बछड़ा, बुधवार सुबह अपने खेत पर गए थे। बताया जा रहा है कि वहां उन्होंने सल्फास की गोलियों का सेवन कर लिया।

जहरीला पदार्थ खाने के बाद देवी सिंह की तबीयत बिगड़ने लगी। उन्होंने स्वयं अपने परिजनों को फोन पर इसकी सूचना दी। परिजन तुरंत खेत पर पहुंचे और गंभीर हालत में देवी सिंह को जिला चिकित्सालय नीमच लेकर आए। अस्पताल में डॉक्टरों ने तत्काल उपचार शुरू किया। हालांकि, जहर पूरे शरीर में फैल जाने के कारण इलाज के दौरान ही देवी सिंह ने दम तोड़ दिया।

अस्पताल से मिली सूचना पर पुलिस टीम जिला चिकित्सालय पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया गया और बाद में अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया।

आईटीआई उत्तीर्ण अधिकाधिक विद्यार्थियों का निजी कम्पनियों में रोजगार प्लेसमेंट करवाएं: वैष्णव

नीमच। जिले के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से गत दो वर्षो में विभिन्न ट्रेडों में उत्तीर्ण विद्यार्थियों से सतत सम्पर्क, समन्वय एवं निजी कम्पनियों से सम्पर्क समन्वय कर उनका रोजगार के लिए प्लेसमेंट करवाना सुनिश्चित करें। यह निर्देश जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित जिला स्तरीय कौशल विकास समिति की बैठक में जिले के सभी आई.टी.आई. प्राचार्यो को दिए। बैठक में जिला रोजगार अधिकारी श्री दिनेश परमार, सभी आईटीआई प्राचार्य एवं समिति के सदस्य जिला अधिकारी तथा अल्ट्राटेक, अडानी एवं अन्य निजी कम्पनियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बैठक में आईटीआई प्राचार्यो को निर्देश दिए गये, कि वे इस सत्र में संस्थान में सभी ट्रेडो में सभी सीटों पर विद्यार्थियों का प्रवेश सुनिश्चित करवाए। बैठक में संस्थावार, विद्यार्थियों के निजी कम्पनियों में प्रशिक्षण एवं अध्ययन भ्रमण की प्रगति की भी समीक्षा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री सीखो कमाओं योजना, प्रधानमंत्री इंटरशिप योजना, एन.ए.सी.एस.योजना, की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

एक नजर ▸ नीमच में 'गौरव दिवस' गरिमा के साथ मनाया गया

जनप्रतिनिधियों, अफसरों ने शहीद पार्क में की सफाई और पौधारोपण

नीमच। नगर पालिका नीमच द्वारा बुधवार को 'गौरव दिवस' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मनासा नाका स्थित ऐतिहासिक शहीद पार्क में एक वृहद स्वच्छता कार्यक्रम और पौधारोपण अभियान चलाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में जिला पंचायत अध्यक्ष सज्जन सिंह चौहान, नगरपालिका अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा और एसडीएम पराग जैन सहित कई प्रशासनिक अधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों ने शहीद पार्क परिसर की साफ-सफाई की। उन्होंने हाथों में झाड़ू थामकर स्वच्छता का संदेश दिया। इसके बाद पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण भी किया गया।

'गौरव दिवस' के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि 3 जून का दिन नीमच के इतिहास में महत्वपूर्ण है। वर्ष 1857 की क्रांति की पहली चिंगारी इसी धरती से सुलगी थी। 3 जून 1857 को इसी शहीद पार्क से वीर सैनिकों ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष किया और विजय प्राप्त की थी। उन बलिदानियों की स्मृति और नीमच के गौरवशाली इतिहास को बनाए रखने के लिए प्रतिवर्ष 3 जून को 'गौरव दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि 3 जून 'गौरव दिवस' हर नीमच वासी के लिए विशेष दिन है। यह दिन हमें वीर शहीदों के बलिदान की याद दिलाता है। उन्होंने बताया कि शहीद पार्क के ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए परिषद ने इसके जीर्णोद्धार का निर्णय लिया है।

मंदसौर

एक नजर में

सार्थक एनजीओ के 'पोषण वन प्रोजेक्ट' का आगाज़

सीतामऊ/मंदसौर। पर्यावरण संरक्षण और बच्चों में पोषण स्तर को सुधारने के संकल्प के साथ सार्थक सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा 3 जून को इस सत्र के पहले फलदार वृक्षारोपण अभियान की भव्य शुरुआत की गई। संस्था के महत्वाकांक्षी 'पोषण वन प्रोजेक्ट' के तहत आज प्रथम चरण में क्षेत्र के हायर सेकेंडरी स्कूल दीपा खेड़ा, हाई स्कूल दलावदा, हाई स्कूल सेंदरामाता एवं शासकीय हाई स्कूल महुआ में शासकीय हाई स्कूल महुआ में सघन फलदार वृक्षारोपण किया गया। ग्रीष्मकालीन अवकाश के उपरांत भी इस पुनीत कार्य के साथ लिए विद्यालय स्टाफ, ग्रामीण जन, और विद्यालय के छात्र-छात्राएं सार्थक संस्था के सदस्यों ने मिलकर अभूतपूर्व उत्साह दिखाया और श्रमदान कर पौधों को रोपा। सार्थक की संस्थापक सदस्य डॉ उर्मिला तोमर ने जानकारी देते हुए बताया कि यह पोषण वन अभियान 18 दिसंबर2025 से प्रारंभ किया गया था इसमें 168 विद्यालयों में संस्था फलदार वृक्ष लगाएगी अभी तक जिले के 18 स्कूलों में फलदार पौधों का वृक्षारोपण किया जा चुका है इसमें मल्हारगढ़ के पांच सीतामऊ के छः, मंदसौर के सात स्कूल सम्मिलित है। आज दीपाखेड़ा, दलावादा सेंदरा माता, महुआ में, जामुन, आम, खिरनी, शहतूत, रामफल, जामफल, सीताफल, चीकू, इमली, कबीट, करौंदा, आंवला, जंगल जलेबी, मौल श्री, सहजन, के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर दीपाखेड़ा एवं सेंदरामाता की अधिकतम अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं का सार्थक संस्था द्वारा सम्मान किया गया एवं संस्था की ओर से विद्यालयों को बर्ड हाउस भी भेंट किए गए। इस वृक्षारोपण के आयोजन में सम्मिलित हुए गांव के सरपंच एवं गणमान्य लोगों ने संस्था के इस अनूठे प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि स्कूलों में फलदार पौधे लगाने से हरित आवरण में भी वृद्धि होगी और बायोडायवर्सिटी विकसित होगी, छात्रों में पर्यावरण और प्रकृति को लेकर संवेदनशीलता का भाव निर्मित होगा सार्थक संस्था की अध्यक्ष ने प्रोजेक्ट की विस्तृत रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि: 'यह इस नवीन सत्र का हमारा पहला वृक्षारोपण कार्यक्रम है। सार्थक संस्था का यह लक्ष्य है कि पूरे मंदसौर जिले के 168 स्कूलों में 'पोषण वन' विकसित किए जाएं। इस पूरे अभियान में विद्यालय परिवार का सराहनीय सहयोग मिल रहा है। आज लगाए गए पौधों की सुरक्षा और सिंचाई की जिम्मेदारी भी स्थानीय स्तर पर तय की गई है ताकि ये पौधे जीवित रहकर विशाल वृक्ष बन सकें।

ट्रेन मैनेजर मोहम्मद सलीम सेवानिवृत्त, रतलाम रेलवे मंडल में दी गई भावभीनी विदाई

मंदसौर। भारतीय रेलवे में ट्रेन मैनेजर के पद पर कार्यरत मंदसौर निवासी मोहम्मद सलीम अपनी गौरवशाली सेवाओं के बाद सेवानिवृत्त हो गए हैं। इस अवसर पर रतलाम रेलवे मंडल द्वारा एक विशेष विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें उन्हें अत्यंत भावभीनी विदाई दी गई। समारोह के दौरान रतलाम रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों जे.पी.सिंह, रंजीतसिंह सिसौदिया, वेदप्रकाश शर्मा, अजयसिंह पंवार, सुनील अग्निहोत्री, राजकुमार मिण्डा ने मोहम्मद सलीम को पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया। अधिकारियों ने उनके द्वारा भारतीय रेलवे को दी गई दीर्घकालीन और निष्ठावान सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि वे सेवाकाल के दौरान हमेशा अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित रहे। इसके साथ ही अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि सेवानिवृत्ति के बाद के जीवन में भी वे समाज सेवा के कार्यों में इसी तरह अग्रणी भूमिका निभाते रहेंगे। स्थानीय नसीब कॉलोनी मदारपुरा के निवासी मोहम्मद सलीम ने अपने पूरे सेवाकाल के दौरान भारतीय रेलवे के विभिन्न क्षेत्रों और स्टेशनों पर अपनी उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान की हैं। उनकी इस सेवानिवृत्ति के अवसर पर मिलने-जुलने वालों, मित्रों और शुभचिंतकों में हर्ष और गौरव का माहौल है। मोहम्मद सलीम की सेवानिवृत्ति और सफल सेवाकाल पूर्ण होने पर जुल्फिकार शाह, सलीम रेडीमेड, जुनैद शाह, सिराज मोहम्मद, तनवीर शाह, इकबाल, अंसार, शहजाद, निजाम मोहम्मद हुसैन, जाफर और सलाम सहित अनेक गणमान्य लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके सुखद, स्वस्थ और दीर्घायु भविष्य की मंगलकामना की है।

10 वर्ष बाद नारायणगढ़ पहुंचे मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज

▸ **भव्य मंगल प्रवेश यात्रा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब**

पिपलियामण्डी। संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महाराज के शिष्य प्रणम्यसागर महाराज का बुधवार को नगर नारायणगढ़ में भव्य एवं ऐतिहासिक मंगल प्रवेश हुआ। लगभग 10 वर्ष बाद नारायणगढ़ पहुंचे मुनि श्री के स्वागत के लिए समाजजनों में विशेष उत्साह और श्रद्धा का वातावरण देखने को मिला। नगर के प्रमुख मार्गों पर श्रद्धालु सुबह से ही एकत्रित हो गए थे तथा जगह-जगह स्वागत की व्यवस्थाएं की गई थीं।

मुनि श्री मनासा से ससंघ विहार करते हुए नारायणगढ़ पहुंचे। प्रातःकाल विश्राम गृह से भव्य मंगल प्रवेश यात्रा प्रारंभ हुई, जिसमें बड़ी संख्या में महिला, पुरुष एवं युवा श्रद्धालु शामिल हुए। यात्रा बस स्टैंड सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होकर दिगम्बर जैन मांगलिक भवन पहुंची। पूरे मार्ग में श्रद्धालु भक्ति एवं श्रद्धा के साथ मुनि श्री के दर्शन कर धर्मलाभ प्राप्त करते रहे। दिगम्बर जैन मांगलिक भवन में आयोजित धर्मसभा में मुनिश्री प्रणम्य सागर महाराज ने अपने प्रेरणादायी एवं ओजस्वी प्रवचन में धर्म, अध्यात्म, करुणा और आत्मकल्याण का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि नारायणगढ़ का नाम स्वयं नारायण से जुड़ा हुआ है और इस नगर में सकारात्मक ऊर्जा का विशेष अनुभव होता है। यहां की धार्मिक भावना एवं श्रद्धा लोगों के जीवन में आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है। मुनि ने अपने प्रवचन में कहा कि वर्तमान समय में मनुष्य को सभी धर्मों का सम्मान करना चाहिए। धर्म का वास्तविक स्वरूप किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं, बल्कि प्रेम, दया, सहिष्णुता और सद्भावना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को प्राणी मात्र के प्रति दया भाव रखना चाहिए, क्योंकि जीवों के प्रति करुणा ही सच्चे धर्म की पहचान है। यदि मनुष्य अपने जीवन में दया, क्षमा और अहिंसा के सिद्धांतों को अपनाता है तो वह आत्मिक शांति एवं आनंद प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन अत्यंत दुर्लभ है और इसका उद्देश्य केवल भौतिक सुख-सुविधाओं की प्राप्ति नहीं, बल्कि आत्मा के कल्याण का मार्ग खोजकर मोक्ष की ओर अग्रसर होना है।

मोक्ष मार्ग को अंगीकार कर ही मनुष्य जन्म-मरण के चक्र से मुक्त हो सकता है। इसके लिए संयम, तप, साधना और आत्मचिंतन को जीवन का हिस्सा बनाना आवश्यक है। मुनि श्री ने समाजजनों से धार्मिक संस्कारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का आह्वान करते हुए कहा कि परिवार और समाज में नैतिक मूल्यों की स्थापना से ही एक स्वस्थ एवं संस्कारित समाज का निर्माण संभव है।

उन्होंने युवाओं को धर्म, संस्कृति एवं भारतीय परंपराओं से जुड़े रहने की प्रेरणा भी दी। कार्यक्रम में दिल्ली, रतलाम, मंदसौर, नीमच सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं समाजजन पहुंचे। उल्लेखनीय है कि मुनि श्री प्रणम्यसागर महाराज लगभग एक दशक बाद नारायणगढ़ पधारे। उनके पुनः आगमन से जैन समाज सहित समूचे क्षेत्र में हर्ष और उत्साह का माहौल देखा गया। श्रद्धालुओं ने इसे अपने लिए सौभाग्य का अवसर बताते हुए बड़ी संख्या में धर्मसभा में सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन अशोक जैन ने किया। अंत में श्रद्धालुओं ने मुनि श्री के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। अशौक जैन ने बताया मुनिश्री का आगामी विहार पिपलिया क्षेत्र में प्रवास के पश्चात बही पार्श्वनाथ की ओर प्रस्तावित है।

जनसहयोग से बदल रही शिवना की तस्वीर, 127वें दिन निकली दो ट्रॉली गंदगी

मंदसौर। शिवना शुद्धिकरण जनअभियान के 127वें दिन बुधवार को भगवान पशुपतिनाथ मंदिर के समीप छोटी पुलिया एवं घाट क्षेत्र में जिलेभर से पहुंचे जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, महिलाओं, युवाओं और ग्रामीणों ने श्रमदान कर नदी एवं घाटों की साफ-सफाई की। अभियान के दौरान श्रमदानियों ने नदी से दो ट्रॉली गंदगी एवं कचरा निकालकर स्वच्छता का संदेश दिया। घाट क्षेत्र में रंग-रोगन का कार्य भी किया गया।

इस अवसर पर कांग्रेस वर्किंग कमेटी की सदस्य एवं पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन ने श्रमदान में भाग लेते हुए कहा कि किसी भी बड़े सामाजिक परिवर्तन के लिए जनसहयोग और दृढ़ संकल्प दोनों आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि विधायक विपिन जैन के आह्वान पर प्रारंभ हुआ यह अभियान अब जनआंदोलन का स्वरूप ले चुका है। लगातार 127 दिनों से चल रहे श्रमदान का परिणाम है कि शिवना नदी पहले की तुलना में अधिक स्वच्छ और सुंदर दिखाई दे रही है। विधायक विपिन जैन ने शहरवासियों से प्रत्येक रविवार सुबह आयोजित श्रमदान में शामिल होकर शिवना नदी को स्वच्छ एवं निर्मल बनाने के अभियान को और अधिक मजबूत करने की अपील की।

अभियान में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सामाजिक संगठन, महिलाएं, युवा एवं ग्रामीणजन शामिल हुए। इस दौरान अभिव्यक्ति ओपन माइक टीम द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी दी गई, जिसने श्रमदानियों का उत्साह बढ़ाया। शिवना शुद्धिकरण जनअभियान लगातार जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ रहा है और शहर की जीवनदायिनी नदी को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

एक नजर ▸ दशपुर रंगमंच ने गीतों के माध्यम से

सुमन कल्याणपुर और राज कपूर को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

मंदसौर। स्थानीय दशपुर रंगमंच द्वारा एक विशेष सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें सुरों के माध्यम से संगीत जगत की दिग्गज गायिका सुमन कल्याणपुर और हिंदी सिनेमा के 'शोमैन' राज कपूर को उनकी पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम की शुरुआत अभय मेहता और ललिता मेहता के युगल गीत 'मेरा प्यार भी तू है ये बहार भी तू हैं' से हुई, जिसने माहौल को पूरी तरह संगीतमय बना दिया। इसके बाद आबिद शाह ने "जो प्यार तूने मुझको दिया था वो प्यार तेरा मैं लौटा रहा हूं" गाकर श्रोताओं को भावुक कर दिया।

श्रद्धांजलि सभा में राज कपूर साहब की फिल्मों के अमर गीतों ने समां बांध दिया। रौनक मिंडा ने "किसी की मुस्कुराहटों पर हो निसार", श्याम गुप्ता ने "जाने कहां गए वो दिन" और आशा तरवेचा ने "दोस्त दोस्त ना रहा" गाकर राज कपूर के दौर की यादें ताजा कर दीं। वहीं हिमांशु वर्मा ने 'कहता है जोकर सारा जमाना', नरेंद्र सागोरे ने 'जीना यहां मरना यहां', और सतीश सोनी ने 'मेरा जूता है जापानी' जैसे सदाबहार गीतों की शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इसके साथ ही सिमरन बेलानी ने सुमन कल्याणपुर के गाए प्रसिद्ध गीत "आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे हर जुबान पर" और स्वाति रिछावरा ने "दिल एक मंदिर है" गाकर सुरमयी श्रद्धांजलि दी। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए राजा सोनी ने "एक दिन बिक जाएगा माटी के मोल" गीत पेश किया। कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए अभय मेहता ने दोनों महान विभूतियों के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पद्मभूषण और लता मंगेशकर अवॉर्ड से सम्मानित सुमन कल्याणपुर जी की आवाज स्वर कोकिला लता जी से इतनी मिलती-जुलती थी कि उस दौर के बड़े-बड़े म्यूजिक डायरेक्टर भी भ्रमित हो जाते थे। राज कपूर साहब को याद करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें हिंदी सिनेमा का असली "शोमैन" माना जाता है, जिनकी फिल्म आवारा का शीर्षक गीत "आवारा हूं" उस दौर में रूस (रशिया) में इस कदर लोकप्रिय था कि वहां हर शख्स की जुबान पर चढ़ा हुआ था। इस गरिमामयी आयोजन में कलाकारों ने अपने सुरों के सुमन अर्पित कर दोनों दिग्गजों को शिद्दत से याद किया।